अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

तत्त्वज्ञान (वर्ष–2018)

प्रथम वर्ष –प्रथम प्रश्न पत्र

पच्चीस बोल–20

समय:3 घंटा | दिनांक–28.08.2018

पूर्णांक–100

प्र01 कोई तीन बोल लिखें– 12

(क) आठवां (ख) बाईसवां (ग) चौबीसवां (अंक 22 का भांगा)

(घ) चौदहवां–पुण्य व पाप के भेद (ड) सोलहवां बोल– (सोलहवें दण्डक तक)

प्र02 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर एक– दो शब्द अथवा एक वाक्य में दे। 5

(क) ग्यारहवां गुणस्थान का नाम

(ख) पुदगलास्तिकाय के भेदों के नाम

(ग) पांचवा कर्म कौन सा है?

(घ) आकाशास्तिकाय का क्षेत्र व काल बताऐं।

(ड़) तीसरा चारित्र कौन सा है

(च) आपका गुणस्थान कौन सा? नाम लिखें।

(छ) अठारहवां दण्डक कौन सा?

प्र03 आश्रव तत्त्व के भेद नाम सहित लिखें– 3

पच्चीस बोल की चर्चा–45

प्र04 किसमें व कौन से पाते हैं– कोई बारह करें। 24

(क) चार शरीर (ख) नौ योग (ग) सात कर्म (घ) दो द्रव्य

(ड) चार उपयोग (च) पांच लेश्या (छ) तीन आत्मा (ज) तीन चारित्र

(झ) दस गुणस्थान (ञ) जीव के नौ भेद (ट) अठारह दण्डक

(ठ) दो ध्यान (ड) चार पर्याप्ति (ढ) चार काय ।

प्र05 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें– 6

(क) भाषक में जीव के भेद कितने व कौन से?

(ख) श्रावक में गति, आत्मा व दण्डक कितने व कौन से?

(ग) लट गिंडोला में योग, उपयोग व वेद कितने व कौन कौन से?

(घ) यथाख्यात चारित्र किस गुणस्थान में? नाम लिखें।

Scanned by CamScanner

(ड) किन गुणस्थानों में केवल सम्यक् दृष्टि पाई जाती है? संख्या व नाम लिखें।

प्र06 कोई तीन बोल की चर्चा लिखें– 15

(क) जीव के भेद (ख) योग (ग) प्राण (घ) गुणस्थान

(ड) छठे दण्डक से अठारह दण्डक

चतुर्मगी–35

प्र07 किन्हीं पांच बोलों की चतुर्भंगी लिखें– 25

(क) नौवां (ख) पच्चीसवां (ग) ग्यारहवां (घ) छठा (ड) चौदहवां –निर्जरा

(च) सोलहवां (छ) सतरहवां।

प्र08 किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर लिखें। 10

(क) आत्मा किस कर्म का उदय?

(ख) योग जीव या अजीव।

(ग) संवर किस कर्म का उदय?

(घ) कौन सा द्रव्य कम, कौन सा द्रव्य अधिक ?

(ड़) किस भांगा वाले जीव कम, किस भांगा वाले जीव अधिक?

(च) ध्यान किस कर्म का उदय?

(छ) किस दृष्टि वाले जीव कम, किस दृष्टि वाले जीव अधिक?

(ज) तुम्हारे में आश्रव के भेद कितने?

(झ) तुम्हारे में मोक्ष तत्व के कितने भेद?

(ञ) इन्द्रिय किस कर्म का उदय?

(ट) किस जीव तत्व के जीव कम किस तत्व के अधिक?

(ठ) किस कर्म के जीव कम, किस कर्म के जीव अधिक?

(ड) लेश्या जीव या अजीव?

Scanned by CamScanner

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

तत्त्वज्ञान (वर्ष–2018)

द्वितीय वर्ष –प्रथम प्रश्न पत्र

जैन तत्त्व प्रवेश–प्रथम खंड–40

समयः3 घंटा　　　　　　　　　　　　　　　　　दिनांक–28.08.2018

पूर्णांक–100

प्र01 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दें– 20

(क) भाव द्वार के अंतर्गत क्षयोपशमिक की परिभाषा करते हुए क्षयोपशमिक भावों का वर्णन करें।

(ख) अस्तिकाय किसे कहते है? छह द्रव्यों की व्याख्या के बाद वाला हिस्सा वर्णित करें।

(ग) दृष्टांत द्वार के अंतर्गत आए हुए पांचों प्रश्नोंत्तर लिखें।

(घ) कर्म के उदाहरण के अंतर्गत नाम कर्म बंध तथा असात वेदनीय कर्म बंध के कारण लिखें।

(ड) द्रव्य क्षेत्र काल भाव गुणद्वार में से आश्रव, निर्जरा, काल व पुदगल की व्याख्या करें।

प्र02 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें– 20

(क) भेद द्वार (ख) हेय–ज्ञेय–उपादेय द्वार (ग) परमात्म द्वार (घ) आत्म द्वार

(ड) विस्तार द्वार में से सिद्धों के प्रकार के पश्चात से लिखते हुए, जीव को तीन वर्गो में बांटे तो कितने विभाग होते हैं, तक लिखें।

(च) भाव द्वार में से पारिणामिक भाव से प्रारंभ करते हुए जीवश्रित पारिणामिक के भेद तक लिखें।

कर्म– प्रकृति–35

प्र03 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें– 20

(क) मोहनीय कर्म की गुणस्थानों में अवस्थिति लिखें।

(ख) स्थावर दशक की व्याख्या करें।

(ग) कर्म की दस अवस्थाओं में से स्थिति बंध, अपवर्तना, निधति व उदवर्तना की व्याख्या करें।

(घ) अंतराय कर्म की उत्तर प्रकृतियों की व्याख्या करें।

(ड) नाम कर्म की प्रत्येक प्रकृति को अर्थ सहित लिखें।

(च) दर्शनावरणीय कर्म का लक्षण एवं कार्य, कर्म भोगने के हेतु तथा गुणस्थानों में अवस्थिति लिखें।

प्र04 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें– 15

Scanned by CamScanner

(क) त्रस दशक की अंतिम पांच प्रकृति अर्थ सहित लिखें।
(ख) शुभ नाम कर्म भोगने के हेतु लिखें।
(ग) ईर्यापथिक बंध किसे कहते हैं।
(घ) वेदनीय कर्म की गुणस्थानों में अवस्थिति व असात वेदनीय कर्म भोगने के हेतु लिखें।
(ङ) गोत्र कर्म को परिभाषित करते हुए गोत्र कर्म बंध के हेतु लिखें।
(च) नोकषाय की प्रकृतियों का वर्णन करते हुए बताऐं कि मोहनीय कर्म की उत्तर प्रकृतियां कैसे व कितनी हो सकती है?

गीतिका–10

प्र05 कोई दो पद्य अर्थ सहित लिखें– 8
(क) लक्षमण व रावण से संबंधित पद्य को अर्थ सहित पूर्ण करें।
(ख) कृष्ण महाबली का वर्णन है, उस पद्य को अर्थ सहित पूर्ण करें।
(ग) सम्यक्त्व धारी ....किसका रे।
(घ) साठ सहस्त्र...........................ऐसा रे।

प्र06 किन्हीं दो प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखें। 2
(क) कर्म के आगे कौन–कौन से सजल व्यक्ति भी निर्बल हो जाते हैं?
(ख) किस नम्बर के चक्रवर्ती को समुद्र में फेंका गया नाम व नम्बर (संख्या) बताऐं।
(ग) किस चक्रवर्ती के एक साथ सोलह रोग उत्पन्न हुए तथा वह कितने देशों का स्वामी था।

पूर्व– कंठस्थ ज्ञान –15

प्र07 निम्न आठ प्रश्नों के उत्तर लिखें– (प्रत्येक वर्ग में से दो प्रश्न हल अवश्य करें।) 12

पच्चीस बोल–	(क)पाप के अंतिम 9 भेद (ख) पन्द्रहवां बोल (ग) श्रावक के अंतिम 9 व्रत
पच्चीस बोल – की चर्चा–	(घ) आठ उपयोग किसमें (ड़) चार द्रव्य किसमें। (च) जीव के दस भेद किसमें?
चतुर्भगी–	(छ) उन्नीसवां अथवा संवर के 20 भेद (ज) प्राण किस कर्म का उदय। (छ) षट्द्रव्य जीव या अजीव।
तत्व चर्चा–	(ट) बारह व्रत छह में कौन? नौ में कौन? (ठ) धूप छांछ छह में कौन? नौ में कौन? (ड) पाप और पापी एक या दो?

प्र08 कोई एक पद्य भावार्थ सहित लिखें– 3
(क) नवूं ही ....अनेक।
(ख) करण जोग ....सांई रे।

Scanned by CamScanner

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

तत्त्वज्ञान (वर्ष–2018)

तृतीय वर्ष– प्रथम प्रश्न पत्र

बावन बोल –25

समयः3 घंटा दिनांक–28.08.2018

पूर्णांक–100

प्र01 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें– 10

(क) आठ कर्मो का उदय उपशम, क्षय, क्षयोपशम निष्पन्न किस–किस गुणस्थान तक?

(ख) पन्द्रह योग कितने भाव? कितनी आत्मा?

(ग) नौ तत्त्व के एक सौ पन्द्रह बोलों की पृच्छा।

प्र02 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें– 9

(क) जीव पारिणामिक के दस भेद कितने भाव? कितनी आत्मा?

(ख) उदय के तैतीस बोल किस–किस कर्म के उदय से?

(ग) आठ आत्मा छह द्रव्य में कौन? नौ तत्त्व में कौन? तथा मूलगुण कितनी उत्तरगुण कितनी?

(घ) जीव पारिणामिक के दस भेद कितने भाव? कितनी आत्मा?

प्र03 कोई तीन प्रश्न करें– 6

(क) अठारह पाप स्थान का उदय, उपशम, क्षायिक, क्षयोपशम, छह द्रव्य में कौन? नौ तत्व में कौन?

(ख) श्रावक के बारह व्रत कितने भाव? कितनी आत्मा? तथा छह द्रव्य में कौन? नौ तत्व में कौन?

(ग) उदय आदि छह द्रव्य में कौन? नौ तत्व में कौन?

(घ) आश्रव के बीस बोल कितने भाव? कितनी आत्मा ?

इक्कीस द्वार–25

प्र04 कोई चार बोल पूरा लिखें– 20

(क) स्त्रीवेदी (ख) सास्वादन सम्यक्त्वी (ग) सम्यक मिथ्या दृष्टि

(घ) मनःपर्यवज्ञानी (ड) संयता संयति (च) अपरीत

प्र05 कितने व कौन से पाते हैं– दो–चार शब्दों में उत्तर दें। (कोई पांच) 5

(क) अचरम– उपयोग व पक्ष। (ख) अभवी– योग, भाव।

(ग) असंज्ञी– दण्डक व दृष्टि। (घ) सूक्ष्म–जीव के भेद, वीर्य।

(ड) अपर्याप्त– आत्मा, उपयोग। (च) भाषक –योग, गुणस्थान।

(छ) अवधिदर्शनी –गुणस्थान, दण्डक।

जैन तत्त्व प्रवेशः (द्वितीय व तृतीय खण्ड)–30

प्र06 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर एक या दो शब्द अथवा एक वाक्य में लिखें– 5

(क) भौंरा मकड़ी आदि में प्राण कितने? (ख) पौषध प्रतिमा की विधि लिखें। (ग) छेद

Scanned by CamScanner

सूत्रों के नाम लिखें। (घ) व्यवहार नय किसे कहते है? (ड़) पारमार्थिक दान किसे कहते हैं? (च) परोक्ष ज्ञान का क्या तात्पर्य हैं? (छ) दया किसे कहते हैं?

प्र07 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें– 15

(क) विश्राम द्वार

(ख) आगम द्वार को प्रारंभ से लेकर अंग कितने हैं? उनके नाम लिखें।

(ग) श्रावक सुपातर............................ गटको रे। पद्य पूरा करें।

(घ) श्रावक ने .... जाणो रे। पद्य पूरा करें।

(ड) जीव स्थान किसे कहते हैं? (च) श्रावक गुणद्वार लिखें

(छ) श्रावक प्रतिमा द्वार में से पांचवी व दसवीं प्रतिमा की विधि व समय लिखें।

प्र08 कोई दो प्रश्नों के उत्तर लिखें– 10

(क) सम्यक दर्शन द्वार (ख) धर्म अधर्म द्वार

(ग) प्रश्नोत्तर द्वार– चींटी मकोड़े जूं आदि की पृच्छा लिखें।

(घ) व्रताव्रत द्वार को प्रारंभ से लिखते हुए (बाकी का जो अव्रत रहता है वह अधर्म है) तक लिखिए अर्थात दोहों के पूर्व का जो भाग है उसे लिखिए।

पूर्व कंठस्थ ज्ञान– 20

प्र09 किन्हीं आठ प्रश्नों के उत्तर एक दो शब्द अथवा एक वाक्य में लिखें: 8

प्रत्येक खंड से दो प्रश्न हल करिए–

पच्चीस बोल–

पच्चीस बोल (क) उन्नीसवां बोल (ख) बंध तत्व के भेद (ग) तेईसवां बोल

पच्चीस बोल की चर्चा– (घ) छः प्राण किसमें (ड़) तेरह योग किसमें। (च) जीव के पांच भेद किसमें?

चतुर्भगी– (छ) आत्मा किस कर्म का उदय? (ज) किस दण्डक के जीव कम, किस दण्डक वाले अधिक। (झ) ध्यान किस कर्म का उदय?

तत्व चर्चा– (ञ) बंध छह में कौन? नौ में कौन?(प) पुण्य और धर्म एक या दो? (फ) अधर्म और अधर्मास्ति एक या दो?

प्र010 निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखें। 12

कर्म प्रकृति–

कर्म प्रकृति– (क) कर्म के विपाकोदय में कार्यकारी निमित। अथवा स्थिति बंध किसे कहते हैं वर्णन करें।

जैन तत्व प्रवेश – (ख) दृष्टांत द्वार में पुण्य पाप पर रूपक लिखें। अथवा द्रव्य क्षेत्र काल भाव गुण द्वार– अजीव तथा पुण्य पाप बंध के द्रव्य क्षेत्रकाल भाव गुण का वर्णन करें।

पच्चीस बोल की चर्चा– तीन गुणस्थान से लेकर दस गुणस्थान तक लिखें।

अथवा

छह से लेकर 13 दण्डक तक लिखें।

चतुर्भगी– आठवां बोल अथवा आश्रव की चतुर्भगी लिखें।

Scanned by CamScanner

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

तत्त्वज्ञानः (वर्ष 2018)

चतुर्थवर्षः प्रथम प्रश्न पत्र

लघुदण्डक –30

समयः3 घंटा   दिनांक–28.08.2018

पूर्णांक–100

प्र01 कोई चार द्वार लिखें– 24

(क) तिर्यच की अवगाहना।

(ख) गति आगति द्वार प्रारंभ करते हुए तीन विकलेन्द्रिय से पहले तक लिखें।

(ग) लेश्या द्वार।

(घ) देवों की स्थिति बतायें।

(ङ) सतरहवां योगद्वार– सात नारकी से अंत तक लिखें ।

(च) उपयोग द्वार– उपयोग किसे कहते हैं? सात नारकी भवनपति आदि से प्रारंभ करते हुए अंत तक लिखें।

प्र02 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें। 6

(क) अज्ञान द्वार

(ख) संहनन द्वार– (संहनन के नाम न लिखें।) केवल द्वार लिखें।

(ग) दृष्टि द्वार सात नारकी से प्रारंभ करते हुए अंत तक लिखें।

(घ) तिर्यच की स्थिति में – तिर्यंच पंचेन्द्रिय की स्थिति लिखें।

पांच – ज्ञान 30

प्र03 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें– 24

(क) अवधिज्ञान व मनः पर्यवज्ञान के अंतर को स्पष्ट करें।

(ख) अवधिज्ञान – अन्तःगत मध्यगत व अनानुगामिक अवधिज्ञान की सम्पूर्ण व्याख्या करें।

(ग) मनःपर्यज्ञान का विषय– क्षेत्रतः व भावतः को व्याख्यायित करें ।

(घ) अवग्रह के प्रकारों का वर्णन करते हुए उसका कालमान बताएं व मल्लक दृष्टान्त का वर्णन करें।

(ङ) श्रुत के समुच्चय रूप ये चार प्रकार का वर्णन बनते हुए मति व श्रुतज्ञान के भेद को यंत्र के माध्यम से समझाऐं?

(च) अनक्षर श्रुत किसे कहते हैं अक्षर श्रुत के प्रकारों का वर्णन करते हुए हेतु उपदेश की व्याख्या करें।

प्र04 किन्हीं छह प्रश्नों के उत्तर लिखें– 6

(क) वर्तमान अवधिज्ञानी का विषय क्यों नहीं बनता है?

Scanned by CamScanner

(ख) अपर्यवसित श्रुत अंत रहित क्यों है?

(ग) मनःपर्यव ज्ञान अप्रमत्तके होता है, यहां अप्रमत्त से क्या तात्पर्य हैं?

(घ) सातवीं नरक के जीव उत्कृष्ट? गव्यूत तक जानते देखते हैं। गव्यूत का अर्थ लिखें।

(ड) मतिज्ञान शब्द के स्थान पर दूसरे किस शब्द का भी, प्रयोग होता है?

(च) आनुगमिक अवधिज्ञान किसे कहते हैं?

(छ) मतिज्ञान श्रुतज्ञान दोनों सहचर होने पर भी इनके दो भेदों का हेतु क्या हैं?

(ज) अगमिक श्रुत किसे कहते हें?

गुणस्थान– दिग्दर्शन गीतिका–10

प्र05 कोई दो पद्य भावार्थ सहित लिखें– 8

(क) कषाय नवमां ....देखो रे।

(ख) दोय भेद .... थायो रे।

(ग) मोह कर्म ....समाधो रे।

(घ) मोह खायक .... माणे रे।

प्र06 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें– 2

(क) चार अघात्य कर्मो का बंध कौन कौन से गुणस्थान तक होता है?

(ख) आठो कर्मो का क्षयोपशम निष्पन्न भाव किस–किस गुणस्थान में?

(ग) क्षपक श्रेणी में आरोहण करने वाला जीव क्या प्राप्त करता है?

पूर्व कंठस्थ ज्ञान–30

प्र07 सभी प्रश्नों के उत्तर देने – अनिवार्य हैं–

(क) पच्चीस बोल– भवनपति देवों के अंतिम छह दण्डक अथवा अंतिम छह गुणस्थान। 3

(ख) चतुर्भंगी– पन्द्रहवां अथवा सत्रहवां बोल। 3

(ग) चर्चा– छह से ग्यारह जीव के भेद अथवा छह से ग्यारह योग लिखें। 3

(घ) तत्व चर्चा– विविध विषयों पर छह द्रव्य नौ तत्व अथवा छह द्रव्य पर छह में नौ की चर्चा । 3

(ड) जैन तत्व प्रवेश– भेद द्वार अथवा भाव द्वार में औदायिक भाव लिखें। 3

(च) कर्म प्रकृति– पिंड प्रकृति में से आनुपूर्वी विहायोगति नाम अथवा मोह कर्म की गुणस्थानों में अवस्थिति लिखें– 4

(छ) बावन बोल– संवर के बीस बोल कितने भाव? कितनी आत्मा। अथवा उदय के तैतीस बोलों में कौन– कौन आत्मा? 3

(ज) इक्कीस द्वार– सम्यक मिथ्या दृष्टि अथवा चक्षुदर्शनी कोई एक बोल लिखें। 4

(झ) जैन तत्व प्रवेश– श्रावक चिंतन द्वार अथवा दान–दया अनुकम्पा द्वार में पारमार्थिक दान के तीन भेद लिखें। 4

Scanned by CamScanner

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

तत्त्वज्ञान (वर्ष-2018)

पंचम वर्ष -प्रथम प्रश्न पत्र

संजया-25

समय:3 घंटा दिनांक-28.08.2018

पूर्णांक-100

प्र01 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दें– 10

(क) सामायिक चारित्र– काल द्वार (ख) परिहारविशुद्धि चारित्र– अंतर द्वार

(ग) छेदोपस्थापनीय चारित्र– आकर्ष द्वार (घ) सूक्ष्म संपराय चारित्र– प्रवज्या द्वार

(ङ) परिहार विशुद्धि चारित्र– सन्निकर्ष द्वार (च) छेदोपस्थापनीय– उपसंपदहानद्वार

प्र02 किन्हीं छह प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 6

(क) वेदन किसे कहते हैं? यथाख्यात चारित्र में कितने कर्मों का वेदन किस अपेक्षा से हैं?

(ख) कौन से चारित्र वाले स्थितकल्पी ही क्यों होते है?

(ग) आयुष्य कर्म की उदीरणा कब नहीं होती?

(घ) संक्लिश्यमान व विशुद्धमान से आप क्या समझते हैं?

(ङ) छद्मस्थ एवं केवली वीतराग में कौन सी लेश्या पाई जाती है?

(च) परिहार विशुद्धि चारित्र किन से ग्रहण किया जाता है?

(छ) यथाख्यात चारित्र किस अपेक्षा से शाश्वत है?

(ज) आकर्ष किसे कहते है?

प्र03 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें– 9

(क) आकर्ष द्वार– सूक्ष्मसंपराय चारित्र की प्राप्ति उत्कृष्ट नौ बार किस अपेक्षा से कही गई है?

(ख) अंतर द्वार– छेदोपस्थापनीय– अनेक जीवों की अपेक्षा 18 करोड़ा करोड़ सागर किस अपेक्षा से हैं?

(ग) स्थिति द्वार– अनेक जीवों की अपेक्षा परिहार विशुद्धि चारित्र की जघन्य स्थिति किस प्रकार बनती है?

(घ) परिणाम किसे कहते हें? यथाख्यात चारित्र का परिणाम कितना व किस अपेक्षा से हैं?

(ङ) चारित्र के स्थान जब असंख्य हैं तो उनके पर्यव अनंत क्यों है? षट्स्थान पतित से क्या तात्पर्य है?

Scanned by CamScanner

नियंठा–25

प्र.4 किन्हीं सात प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखें– 7

(क) स्नातक के परिणाम कितने व किस अपेक्षा से है?

(ख) पुलाक निर्ग्रंथ को प्रतिसेवी किस अपेक्षा से कहा गया है?

(ग) पांच निर्ग्रथों की संख्या में बकुश व प्रतिसेवना की कितनी संख्या बताई गई हैं?

(घ) संवृत–असंवृत का क्या तात्पर्य है?

(ङ) यथासूक्ष्म बकुश से आप क्या समझते हैं?

(च) उपसंपद्हान द्वार– निर्ग्रंथ के असंयम का वचन किस अपेक्षा से हैं?

(छ) पुलाक के परिणाम वर्धमान हीयमान व अवस्थित किस अपेक्षा से हैं?

(ज) अंतर द्वार– अनेक जीव की अपेक्षा उत्कृष्ट पुलाक का संख्यात वर्ष क्यों हैं?

(झ) स्नातक का प्रकार– असबली का क्या तात्पर्य है?

प्र05 कोई छह द्वार लिखें– 18

(क) कषाय कुशील– आकर्ष द्वार (ख) बकुश – काल द्वार

(ग) बकुश – अन्तर द्वार (घ) प्रतिसेवना– उपसंपद्हान द्वार

(ङ) निर्ग्रंथ– प्रवज्या द्वार। (च) बकुश– सन्निकर्ष द्वार।

(छ) बकुश– कर्मबंध, कर्मवेदन व कर्मउदीरणा।

(ज) कषाय कुशील– गति–पदवी–स्थिति।

गीतिका– नियंठा दिग्दर्शन–10

प्र06 किन्हीं दो प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखें– 2

(क) किस सूत्र के किस उदेद्श्क व शतक में पृथक पृथक छह निर्ग्रंथ बतलाए गए हैं?

(ख) निःशीथ सूत्र में आराधक व ~~विराधक किसे~~ कहा गया है?

(ग) छठा गुणस्थान क्यों बदल जाता है? कारण बताएं।

प्र07 कोई दो पद्य को अर्थ सहित पूरा करें– 8

(क) सांभल न्याय............................काली जोय।

(ख) छठे गुणठाणें............................होय।

(ग) खेत–धान............................उफणोय।

(घ) दुर्लभ जन्म ....कहूं तोय।

पूर्व कंटस्थ –ज्ञान–40

प्र08 सभी प्रश्नों के उत्तर लिखें–

(क) पच्चीस बोल– भवनपति देवों के चौथे से नौंवा दण्डक <u>अथवा</u> सतरहवां बोल लिखें। 2

चतुर्भंगी– आश्रव का बोल <u>अथवा</u> बीसवां बोल। 3

(ग) चर्चा– जीव का भेद पांच से लेकर दस तक <u>अथवा</u> छह से लेकर ग्यारह गुणस्थान लिखें– 3

Scanned by CamScanner

(घ) तत्त्वचर्चा– कर्म पर छह द्रव्य नौ तत्व <u>अथवा</u> विविध विषयों पर छह द्रव्य नौ तत्व 3

(ङ) कर्म प्रकृति – स्थातर दशक– अंतिम पांच भेद व्याख्या सहित लिखें <u>अथवा</u> कर्म बंध की मुख्य दस अवस्थाओं में से उदवर्त्तना, अपवर्तना, निधति व उदीरणा की व्याख्या करें। 4

(च) जैनतत्त्व प्रवेश– क्षायोपशमिंक भाव <u>अथवा</u> द्रव्य क्षेत्र काल भाव गुण द्वार में से आश्रव संवर व निर्जरा लिखें । 4

(छ) जैनतत्त्व प्रवेश– श्रावक गुण द्वार <u>अथवा</u> श्राषक प्रतिमा द्वार– कायोत्सर्ग व उदिष्ट वर्जक प्रतिमा का वर्णन करें। 4

(ज) इक्कीस द्वार– अपर्याप्त अथवा अमाषक का पूरा बोल लिखें 4

(झ) बावन बोल– अठारह पाप स्थान का उदय उपशम क्षायिक क्षयोपशम निष्पन्न छह द्रव्य में कौन? नौ तत्व में कौन? <u>अथवा</u> उदय के तैतीस बोल में सावध कितने? निरवध कितने? 3

(ञ) लघु दण्डक– आहार द्वार <u>अथवा</u> समुद्घात असमुद्घात मरणद्वार लिखें। 3

(ट) लघु दण्डक – ज्ञान द्वार <u>अथवा</u> दृष्टि द्वार लिखें। 3

(ठ) पांच ज्ञान– हेतु उपदेश <u>अथवा</u> मल्लक दृष्टांत लिखें। 4

Scanned by CamScanner

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

तत्वज्ञान - वर्ष 2018

छठावर्ष–प्रथम प्रश्न पत्र

गतागत -40

समय:3 घंटा　　　　　　　　　　　　　　　　　　दिनांक-28.08.2018

पूर्णांक-100

प्र01　किन्हीं आठ प्रश्नों के उत्तर लिखें– कितनी व कहां–कहां से?　　24

(क)　अवधि दर्शन में गति–आगति।

(ख)　कृष्ण लेश्या वाले कृष्ण लेश्या में जाए तो गति–आगति ।

(ग)　चतुर्थ नरक में गति –आगति ।

(घ)　दूसरे देवलोक में गति–आगति ।

(ड)　10 भवनपति 15 परमा धार्मिक 16 व्यंतर त्रिजृभंक इन 51 जाति के देवों में गति आगति।

(च)　देवकुरू उत्तरकुरू के यौगलिक में – गति आगति।

(छ)　केवलज्ञानी में गति आगति।

(ज)　कृष्ण पक्षी में गति–आगति ।

(झ)　निकेवल अचक्षुदर्शन में गति आगति।

(ञ)　विभंग अज्ञान में गति आगति

प्र02　किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें–　　16

(क)　जंबूद्वीप, लवण समुद्र व धातकी खण्ड में जीव के कितने व कौन–कौन से भेद पाते हैं?

(ख)　पृथ्वी पानी व वनस्पति में आगति व गति कितनी व कहां–कहां से है।

(ग)　पद्म लेश्या वाले पद्मलेश्या में जाऐं तो आगति व गति कितनी व कहां–कहां से है?

(घ)　उर्ध्व अधो एवं मध्यलोक में जीव के कितने व कौन–कौन से भेद पाते हैं?

(ड)　साधु में आगति व गति कितनी व कहां–कहां से हैं?

कायस्थिति -40

प्र03　किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर लिखें– (जघन्य उत्कृष्ट कायस्थिति व जघन्य उत्कृष्ट अंतर लिखे।　　30

(क)　पृथ्वी, अप्, तेजस वायु (ख) काय योगी (ग) तेजोलेश्यी

(घ)　मिथ्यात्वी (ड) पुरूष वेदी (च) काय अपरीत (छ) छदमस्थ आहारक

(ज)　संसारी अभाषक (झ) असंज्ञी (ञ) अपर्याप्त (त) अवधि दर्शनी

Scanned by CamScanner

(थ) विभंग ज्ञानी

प्र04 किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर एक या दो लाईन में लिखें। 10

(क) पर्याप्त लब्धि कितने समय तक ही रहती है?

(ख) कायपरीत की उत्कृष्ट कायस्थिति असंख्यातकाल किसकी अपेक्षा से है?

(ग) सकाय की जघन्य उत्कृष्ट कायस्थिति किसकी अपेक्षा से है?

(घ) बादर पृथ्वी, अप, तेजस वायु का उत्कृष्ट अंतर अनंतकाल कैसे होता है?

(ड) पंचेन्द्रिय की उत्कृष्ट कायस्थिति एक हजार सागर से कुछ अधिक कैसे बनती हैं?

(च) नपुंसक वेदी की जघन्य कायस्थिति एक समय किस प्रकार हो सकती है?

(छ) मनःपर्यवज्ञानी की जघन्य कायस्थिति एक समय की कैसे हो सकती है?

(ज) क्षयोपशम सक्यक्त्वी की उत्कृष्ट कायस्थिति किस प्रकार बनती है?

(झ) बादर क्षेत्र पुदगल परावर्तन किसे कहते है?

(ञ) उपशम वेदी में जघन्य कायस्थिति एक समय का क्या तात्पर्य है?

(ट) चक्षु दर्शनी की उत्कृष्ट कायस्थिति क्यों व कैसे बनती है?

(ठ) संसार परीत कौन कहलाता है?

गीतिका (पांचों वर्षो की)–20

प्र05 किन्हीं चार पद्यों को अर्थ सहित पूर्ण करें– 16

(क) जो थोड़ो..................सरधियो ए।

(ख) ए सावध .... कर्म ए।

(ग) देव गुरू ....रो भर्म।

(घ) देश मोह नो .... मांही रे।

(ड) पडिसेवी मूल .... गुणठाणे होय।

(च) द्रव्य खेतर ....पाई रे।

प्र06 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें– 4

(क) कौन से गुणस्थान शाश्वत और कौन से गुणस्थान अशाश्वत है?

(ख) नवमें गुणस्थानवर्ती जीव क्षपक श्रेणी वाला वेद और कषाय को कमशः कैसे क्षीण करता हैं?

(ग) महाबली कृष्ण कितने यादवों के राजा थे। और कर्म के वशीभूत उनका अंत क्या हुआ ?

(घ) दस प्रकार का मिथ्यात्व कैसे छूटता है, व फिर क्या चीज की प्राप्ति होती है?

(ड) भगवान ने किसे दुर्लभ बताया है?

(च) संग्रह दान किसे कहते हैं?

Scanned by CamScanner